डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन
Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in
हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन 1 नवम्बर, 2023, डिस्पेच दिनांक 1 नवम्बर, 2023

| वर्ष 67 | अंक 11 | भोपाल | 1 नवम्बर, 2023 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

गांधी शिल्प बाजार "सहकारी हुनर हाट" सफलता पूर्वक सम्पन्न

- गाँधी शिल्प बाजार मे देश भर का हुनर
- सहकारी हुनर हाट में देश भर से आए शिल्पकारों ने सजाए स्टाल
- मेले में 100 से अधिक शिल्पियों ने अपनी कलात्मक वस्तुओं का किया प्रदर्शन
- 55 हजार की मधुबनी पेंटिंग में दिखाया सीता स्वयंवर
- उर्मिला देवी ने दिया लाइव डेमोंस्ट्रेशन
- दिवाली के लिए बनारस का सिल्क बैग खास

भोपाल। विकास आयुक्त कार्यालय (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय के प्रयोजन से तथा म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल के आयोजन में गांधी शिल्प बाजार "सहकारी हुनर हाट" का शुभारंभ म.प्र. राज्य सहकारी संघ के परिसर में पद्मश्री श्रीमति दुर्गा बाई व्याम (गोंड चित्रकार) के मुख्य आतिथ्य एवं वस्त्र मंत्रालय, हस्तशिल्प सेवा केन्द्र भोपाल के सहायक निदेशक श्री अर्चित सहारे, म.प्र. राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन, महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह एवं नेशनल अवार्डी, स्टेट अवार्डी, कारीगरों की उपस्थिति में मेले का शुभारंभ किया गया। यह गॉधी शिल्प बाजार दिनांक 20 अक्टूबर, 2023 से दिनांक 29 अक्टूबर, 2023 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किया गया। गॉधी शिल्प बाजार में देश के विभिन्न राज्यों के शिल्पियों ने 100 से अधिक शिल्प पर आधारित स्टॉल लगाकर मेले मे भाग लिया।

डिग्ना शैली के पैटर्न की प्रतिपादक और अपनी पीढ़ी के भोपाल स्थित परधान गौंड कलाकारों में अग्रणी दुर्गा बाई व्याम ने बताया कि गौंड कलां आदिवासी पौराणिक कथाओं पर आधारित पारम्परिक कहानियों और गीतों पर आधारित है। यह एक बहुत ही निर्मित परंपरा है जिसकी जड़े गांव में थी लेकिन यह अपने आप मे विकसित हुई, फली फूली और भोपाल शहर मे पोषित हुई।

श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक, म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल द्वारा बताया गया कि, गॉधी शिल्प बाजार में देश के विभिन्न राज्यों से मेले मे भाग लेने हेतु शिल्पियों ने उपस्थिति प्रदान की गई जिसमें- श्रीमति कुंतला राय, ज्वेलरी (कोलकत्ता), श्री सुभाभ्रता भौमिक, ड्राय फ्लावर (पश्चिम बगांल), सोलंकी धीरूभाई, एल्पिक वर्क (राजकोट), दिव्या प्रकाश, हेण्ड प्रिंटिंग, (मुबंई), सिंकदर रामावध सिंह (मुबंई), हिना मुलराज सेठ (मुबंई), हरीश चन्द, लेदर फुटवेयर (मुबंई), मो. आसिम अब्दुल मुनफ शेख, ज्वेलरी (नागपुर), आरती ओम प्रकाश दोहरे, हेण्ड प्रिंटिंग (नागपुर), आदित्य सोडी, मेटल वर्क (कोण्डा गांव), रजनी छाबडा, जरी जरदोजी, (बूंदी, राजस्थान), मुस्ताक अहमद, जरी जरदोजी, (कोटा), छोटेलाल शर्मा, हेण्ड एम्ब्राडरी, (जयपुर), शाहीन, ड्राय - फ्लावर, (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश), परवेज अख्तर अंसारी, कारपेट (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश), सोमाया सिंह, एम्ब्रायडरी (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश), विरेन्द्र कुमार, हेण्ड प्रिंटिंग (कोशाम्बी, उत्तर प्रदेश), राम सिंह, टेक्स टाइल, (कोशाम्बी, उत्तर प्रदेश), मोहम्मद इमरान, एम्ब्रायडरी (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश), रहनुमा नाज, जरी, (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश), मोहनी, आर्ट मेटल, (महोबा, उत्तर प्रदेश), अनिता, हेण्ड प्रिंटिंग (महोबा, उत्तर प्रदेश), इंद्र राम, एम्ब्रायडरी (बारमेर), जीवन सभेरवाल, एम्ब्रायडरी (लुधियाना, पंजाब), संगीता, लेदर फुटवेयर, (फाजलका पंजाब), हेमन्त कुंधिया, एम्ब्रायडरी (इंदौर), दिनेश डोवरिया, एम्ब्रायडरी, (इंदौर), संजय लेदर एवं अन्य आर्टिकल, (इंदौर), चन्दा कुंधिया, एम्ब्रायडरी (इंदौर), अंजली, ज्वेलरी, (इंदौर), बृजकिशोर सूत्रकर, डोरमेट, (ग्वालियर), मोहम्मद अरसद, जरी वर्क, (चंदौली उत्तरप्रदेश), दिलावर हुसैन, ज्वलेरी (हैदराबाद), प्रकाश जगमाल, हेण्ड प्रिंटिड टेक्स टाइल (मुबंई), रचना आर्या, जरी - जरदोजी, (भोपाल), ठाकुर दास विश्वकर्मा, टेक्स टाइल हेण्डलूम, (भोपाल), सोनू कुमार प्रजापति, टेराकोटा, (भोपाल), नंदिका शुक्ला, जूट क्राफ्ट, (भोपाल), सुमन कुरेले, जूट क्राफ्ट, (भोपाल), कावेरी चटर्जी, (भोपाल), लव कुमार, मार्बल वर्क,

(शेष पृष्ठ 6 पर)

गोंड कलां को दी पहचान

दुर्गाबाई ने गोंड कलां को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर, सभी माध्यमों में प्रमुखता देने में महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है। 90 के दशक के मध्य से परांपरिक डिग्ना डिजाइनों की उनकी चमकिलें रंग और विलोपी व्याख्याऐं संग्रहालय प्रदर्शनों का हिस्सा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि

विश्व की आबादी के बढ़ने के साथ ही कृषि योग्य भूमि की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है, ऐसे में लोगों को कृषि के संदर्भ में अधिक रचनात्मकता और कुशलता आर्जित करने की आवश्यकता है। इसके तहत कम भूमि के उपयोग से ही फसल की उपज और उत्पादकता को बढ़ाने पर विशेष ज़ोर देना होगा। भारत में स्वतंत्रता के बाद से ही कृषि सुधार के कई बड़े प्रयास के बावजूद आज भी यह क्षेत्र मानसून की अनिश्चितता, आधुनिक उपकरणों की कमी आदि समस्याओं से जूझ रहा है। इस संदर्भ में जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा जैसी समस्याओं के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI) :

- कंप्यूटर विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आशय किसी कंप्यूटर, रोबोट या अन्य मशीन द्वारा मनुष्यों के समान बुद्धिमत्ता के प्रदर्शन से है।
- दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी कंप्यूटर या मशीन द्वारा मानव मस्तिष्क के सामर्थ्य की नकल करने की क्षमता है, जिसमें उदाहरणों और अनुभवों से सीखना, वस्तुओं को पहचानना, भाषा को समझना और प्रतिक्रिया देना, निर्णय लेना, समस्याओं को हल करना तथा ऐसी ही अन्य क्षमताओं के संयोजन से मनुष्यों के समान ही कार्य कर पाने की क्षमता आदि शामिल है।
- वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा, परिवहन और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है।

कृषि क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियाँ:

- पिछले दो दशकों के दौरान देश में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है, हालाँकि पर्याप्त संसाधनों, वैज्ञानिक परामर्श आदि की कमी के कारण कृषि क्षेत्र में फसलों की विविधता का अभाव रहा है।
- जनसंख्या में हुई व्यापक वृद्धि के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में कृषि जोत का आकार छोटा हुआ है, जिससे कृषि में किसी बड़े निवेश की संभावनाएँ भी कम हुई हैं।
- कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिये हानिकारक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग और कृषि संसाधनों के अनियंत्रित दोहन से मृदा उर्वरता में गिरावट देखी गई है।

कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संभावनाएँ:

- **आपूर्ति शृंखला का संवर्द्धन :** वर्तमान में वैश्विक कृषि उद्योग लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर का है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से फसलों के उत्पादन के साथ कीटों पर नियंत्रण, मृदा और फसल की वृद्धि की निगरानी, कृषि से जुड़े डेटा का प्रबंधन, कृषि से जुड़े अन्य कार्यों को आसान बनाने और कार्यभार को कम करने आदि के माध्यम से संपूर्ण खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में व्यापक सुधार किया जा सकता है।
  - o गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में देश में कृषि-खाद्य से जुड़े तकनीकी स्टार्ट-अप्स ने 133 सौदों के माध्यम से 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाया।
  - o इसके साथ ही वर्ष 2019 में ही भारत के कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़कर 37.4 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। आपूर्ति शृंखला और बेहतर भंडारण तथा पैकेजिंग में निवेश के माध्यम से इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।
- **विकास का अवसर :** वर्ष 2019 में वैश्विक स्तर पर कृषि में AI अनुप्रयोग का निवेश लगभग 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2030 तक 30% वृद्धि के साथ इसके 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।
  - o हालाँकि, इस परिदृश्य में, भारतीय कृषि-तकनीक बाज़ार, जिसका मूल्य वर्तमान में 204 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, अपनी कुल अनुमानित क्षमता 24% बिलियन अमेरिकी डॉलर के मात्र 1% स्तर तक ही पहुँच सका है।
- **विशाल कृषि डेटा संसाधन :** भारत में मृदा के प्रकार, जलवायु और स्थलाकृति विविधता के कारण यहाँ से प्राप्त डेटा वैज्ञानिकों को कृषि के लिये अत्याधुनिक AI उपकरण तथा अन्य कृषि समाधान विकसित करने में सहायक होगा।
  - o भारतीय खेत और किसान न केवल भारत बल्कि विश्व में बड़े पैमाने पर एआई समाधान बनाने में सहायता के लिये व्यापक और समृद्ध डेटा प्रदान करते हैं। और यह उन प्रमुख कारकों में से एक है जो भारतीय कृषि में एआई के लिये उपलब्ध अवसरों को अद्वितीय बनाता है।

कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग:

- कृषि डेटा का विश्लेषण : कृषि के विभिन्न घटकों में प्रतिदिन सैकड़ों और हज़ारों प्रकार के डेटा (जैसे-मृदा, उर्वरकों की प्रभाविकता, मौसम, कीटों या रोग से संबंधित देता आदि) उपलब्ध होते हैं। AI की सहायता से किसान प्रतिदिन वास्तविक समय में कई तरह के डेटा (जैसे- मौसम की स्थिति, तापमान, पानी के उपयोग या अपने खेत से एकत्रित मिट्टी की स्थिति आदि) विश्लेषण और समस्याओं की पहचान कर बेहतर निर्णय ले सकेंगे।
  - o विश्व के विभिन्न हिस्सों में कृषि सटीकता में सुधार और उत्पादकता बढ़ाने के लिये किसानों द्वारा मौसम के पूर्वानुमान का मॉडल तैयार करने के लिये AI का उपयोग किया जा रहा है।
- कृषि में सटीकता: कृषि में अधिक सटीकता लाने हेतु पौधों में बीमारियों, कीटों और पोषण की कमी आदि का पता लगाने के लिये कृषि एआई तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
  - o एआई सेंसर खरपतवारों की पहचान कर सकते हैं और फिर उनकी पहचान के आधार पर उपयुक्त खरपतवारनाशक का चुनाव कर उस क्षेत्र में सटीक मात्रा में खरपतवारनाशक का छिड़काव कर सकते हैं।
  - o यह प्रक्रिया कृषि में विषाक्त पदार्थों के अनावश्यक प्रयोग को सीमित करने में सहायता करती है, गौरतलब है कि फसलों में अत्यधिक कीटनाशक या खरपतवार नाशक के प्रयोग से मानव स्वास्थ्य के साथ प्रकृति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- श्रमिक चुनौती का समाधान: कृषि आय में गिरावट के कारण इस क्षेत्र को श्रमिकों द्वारा बहुत ही कम प्राथमिकता दी जाती है, वस्तुतः कृषि क्षेत्र में कार्यबल की कमी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।
  - o श्रमिकों की इस कमी को दूर करने में AI कृषि बॉट्स (AI Agriculture Bots) एक उपयुक्त समाधान हो सकते हैं। ये बॉट मानव श्रमिकों के कार्यों में अतिरिक्त समर्थन प्रदान करते हैं और इन्हें कई प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है, उदाहरण के लिये:
- ये बॉट मानव मज़दूरों की तुलना में अधिक मात्रा में और तेज़ गति से फसलों की कटाई कर सकते हैं, ये अधिक सटीक रूप से खरपतवारों को पहचान कर उन्हें हटाने में सक्षम हैं तथा इनके प्रयोग के माध्यम से कृषि लागत में भारी कमी की जा सकती है।
- इसके अतिरिक्त, किसानों द्वारा कृषि से जुड़े परामर्श के लिये चैटबॉट की भी सहायता ली जा रही है। कृषि के लिये विशेषज्ञों की सहायता से बनाए गए ये विशेष चैटबॉट विभिन्न प्रकार के सवालों के जवाब देने में मदद करते हैं और विशिष्ट कृषि समस्याओं पर सलाह और सिफारिशें प्रदान करते हैं।

सरकार के प्रयास:

- सरकार द्वारा किसानों को बेहतर परामर्श उपलब्ध कराने के लिये औद्योगिक क्षेत्र के साथ मिलकर एक 'एआई-संचालित फसल उपज पूर्वानुमान मॉडल' के विकास पर कार्य किया जा रहा है।
- प्रणाली फसल उत्पादकता और मिट्टी की पैदावार बढ़ाने, कृषि निवेश के अपव्यय को रोकने तथा कीट या बीमारी के प्रकोप की भविष्यवाणी करने के लिये एआई-आधारित उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।
- इस प्रणाली में इसरो (ISRO) द्वारा प्रदान किये गए रिमोट सेंसिंग डेटा के साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड के डेटा, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा मौसम की भविष्यवाणी, मिट्टी की नमी और तापमान के विश्लेषण संबंधी डेटा का उपयोग किया जाता है।
- इस परियोजना को असम, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 10 आकांक्षी ज़िलों में कार्यान्वित किया जा रहा है।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से कराएं पालन : श्री अनुपम राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने गुरुवार को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के अंतर्गत आने वाले 8 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। श्री राजन ने मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर जिलों में की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उपस्थित दोनों संभागों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिलों में की जा रही तैयारियों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था, सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह व श्रीमती रूचिका चौहान, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त डॉक्टर पवन कुमार शर्मा, दोनों संभागों के पुलिस रेंज के आईजी, डीआईजी सहित भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

श्री राजन ने कहा कि दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ एनएसए एवं जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में सख्त कार्रवाई करें। मतदान प्रतिशत बढ़ाने व मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए सभी जिले मतदाता जागरूकता की गतिविधियों में तेजी लाएं। अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखें। अवैध धन, मदिरा, अवैध हथियार एवं अन्य मादक पदार्थ सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री के परिवहन पर अंकुश लगाए और अभियान चलाकर ऐसी सामग्री जब्त करें। एसएसटी, एफएसटी एवं वीएसटी दलों को पूरी तरह मुस्तैद एवं सतर्क होकर काम करने के लिए आदेशित करें।

श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रो में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग (लाइव-स्ट्रीमिंग) की पुख्ता व्यवस्थायें करें।

श्री राजन ने जिलों में स्थापित मतदाता हेल्प डेस्क नंबर 1950 का संचालन पूरी सक्रियता एवं गंभीरता से कराने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि हेल्पडेस्क पर मतदाताओं की ओर से आने वाली हर कॉल अटेंड किया जाए और उसकी समस्या का समुचित समाधान किया जाए। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत नागरिक सी-विजिल एप के माध्यम से करें इसके लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। श्री राजन ने कहा कि 80 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे बुजुर्ग जो घर से ही मतदान करना चाहते हैं उनसे फॉर्म-12 डी भरवाकर सहमति लें। इसी तरह 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा मुहैया कराई जाना है। जिन मतदान केन्द्रों में 1550 से अधिक मतदाता हैं वहाँ के मतदाताओं को सुविधाजनक तरीके से वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिये मुख्य मतदान केंद्र परिसर में या इसके समीप ही सहायक मतदान केन्द्र बनाये जायेंगे, उसका प्रस्ताव भी जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही मतगणना स्थल का प्रस्ताव भी भेजें।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिये मीडिया का सहयोग जरूरी- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मीडिया कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की दी जानकारी

भोपाल :मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कहा कि लोकतंत्र के विकास में मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सम्पन्न कराने के लिये मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वास्तविक जानकारी मतदाताओं तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन गुरुवार को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया कार्यशाला में श्री राजन ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। विगत 9 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों (एफएसटी, एसएसटी एवं पुलिस दल) द्वारा पिछले विधानसभा निर्वाचन से दोगुना कीमत की अवैध नकदी, सोना-चांदी, जेवर, मादक पदार्थों की जब्ती की कार्यवाही की जा चुकी है।

श्री राजन ने बताया कि वरिष्ठ मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गयी है। प्रदेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये मतदाता जागरूकता की विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। श्री राजन ने मीडिया प्रतिनिधियों से मतदाताओं को मतदान अवश्य करने के लिए प्रेरित करने के लिये अपने संचार माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आव्हान भी किया।

मीडिया कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक डॉ. वाय.पी. सिंह एवं प्रो. पी.एन. सनेशर द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के मीडिया के संबंध में सभी दिशा-निर्देशों एवं सहयोग की अपेक्षा से जुड़े बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

मतदान दिवस पर निर्बाध रहे बिजली आपूर्ति : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मतदान केंद्रों पर पानी, रैंप, व्हीलचेयर और बैठक व्यवस्था की रहे सुचारू उपलब्धता

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में विभागों के साथ बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आज निर्वाचन सदन भोपाल में मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों के साथ बैठक में समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। श्री राजन ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होना है, ऐसे में सभी 64 हजार 523 मतदान केंद्रों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामीण विकास विभाग मतदान केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, रैंप, व्हीलचेयर, बैठक व्यवस्था और मतदान केंद्रों तक आवागमन के लिए सुगम सड़क की व्यवस्था करें। निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर जानकारी शीघ्र भेजें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने निर्देशित किया कि पुलिस विभाग सीमावर्ती राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक करें। निर्वाचन के लिए पुलिस डिप्लायमेंट प्लान तैयार कर जानकारी उपलब्ध कराएं। मतदान एवं मतगणना दिवस पर शराब की बिक्री पर रोक के आदेश जारी किए जाए। मतदान के दिन प्रदेश के समस्त संस्थानों में कार्यरत मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सके, इसके लिए अवकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदान के दिन मतदान कर्मियों के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निजी अस्पतालों में भी व्यवस्था की जाए।

श्री राजन ने कहा कि सभी विभाग निर्वाचन कार्यालय से प्रेषित की जाने वाली शिकायतों का 24 घंटे में निराकरण कर उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं। कानून व्यवस्था की दैनिक रिपोर्ट एवं निर्वाचन आयोग द्वारा चाही गई जानकारी को समय-सीमा में भिजवाना सुनिश्चित करें। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग निर्वाचन की अधिसूचना से निर्वाचन की समाप्ति तक प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्रीमती रुचिका चौहान, श्री मनोज खत्री, श्री बसंत कुर्रे, सामान्य प्रशासन, उच्च शिक्षा, वाणिज्यिक कर, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ऊर्जा, गृह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजस्व, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, विधि एवं विधायी कार्य, स्कूल शिक्षा, श्रम, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

17 नवम्बर को मतदान दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित

भोपाल :राज्य शासन ने परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट) 1881 के अंतर्गत प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव - 2023 के मतदान के लिये 17 नवम्बर 2023 शुक्रवार को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर हस्ताक्षर अभियान

भोपाल :जिले की समस्त शासकीय उचित मूल्यों के दुकान पर हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपने मत का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए दुकानों पर हस्ताक्षर वॉल का निर्माण कर आने वाले उपभोक्ताओं से अपील की जा रही है कि वे आने वाले 17 नवम्बर की तिथि को अपने सारे काम छोड़कर मतदान करने अवश्य रूप से जायेंगे।

शहर के पेट्रोल पम्पों पर मतदाता जागरूकता का दिया जा रहा है संदेश

भोपाल :भोपाल के नागरिकों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए स्वीप अंतर्गत जिला प्रशासन की ओर से शहर के प्रमुख पेट्रोल पम्पों पर मतदाता जागरूकता सम्बन्धी बैनर/पोस्टर लगाकर अपील की जा रही है । गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतदान की तिथि 17 नवम्बर 2023 तय की गई है। इस सम्बन्ध में स्वीप अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों से मतदान करने की अपील की जा रही है। इसी अनुक्रम में शहर के प्रमुख पेट्रोल पम्पों पर मतदान की अपील करने सम्बन्धी बैनर/पोस्टर लगाए गए है।

गैस एजेन्सियों के माध्यम से मतदान की अपील

भोपाल : शहर का हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करें इसके लिए गैस एजेन्सियों के माध्यम से भी अपील की जा रही है। समस्त गैस एजेन्सियों द्वारा मतदाता जागरूकता सम्बन्धी बैनर लगाए गए है। इसके साथ ही वितरण पर्ची पर भी मतदान की तिथि का सील लगाकर नागरिकों से अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की जा रही है।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 मिलेगा

मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक प्रस्ताव भेज सकेंगे। चार श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2023 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

अवर सचिव (संचार) भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 19 अक्टूबर को जारी पत्र के अनुसार मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जा रहे हैं।

प्राप्त निर्देशानुसार प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट)/सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2023 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से भेजे जा सकते हैं। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।

नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट www.ceomadhyapradesh.nic.in और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट www.mp-info.org पर उपलब्ध है। प्रस्ताव श्री राजेश कुमार सिंह, अंडर सेक्रेटरी (कम्युनिकेशन) इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 पर भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में निर्दिष्ट शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस media-division@eci.gov.in पर भी भेजे सकते हैं।

गुरू-शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

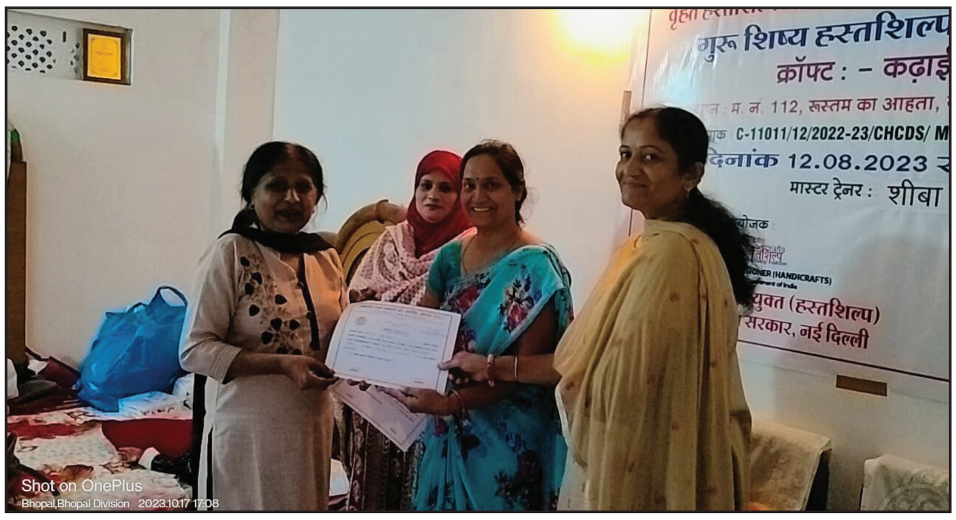

भोपाल। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित वृहद हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना के तहत एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल के आयोजन में एम्ब्रॉयडरी वर्क पर गुरू-शिष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दिनांक 12.08.2023 से 11.10.2023 तक (50 दिवसीय) कुल 30 शिल्पकारियों हेतु कार्यशाला का आयोजन पॉलिटेक्निक चौराहा, रूस्तम का अहाता भोपाल में आयोजित किया गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर सुश्री अफरोज़ एवं सुश्री शिबा के द्वारा कढ़ाई पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें विशेष तौर पर क्रूवेल वर्क, सुईपॉइंट, क्रॉस सिलाई कढ़ाई और क्विल्टिंग साथ ही क्विलवर्क और फेदरवर्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्रीमति श्रद्धा श्रीवास्तवा जिला सहकारी प्रशिक्षक, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम संम्पन्न

नौगांव। वृहद हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना के तहत जिला छतरपुर मे दिनांक 04.10.202 से 09.10.2023 तक उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री विकास कुमार एच. पी. ओ. वस्त्र मंत्रालय ग्वालियर, श्री राजाराम कुशवाहा, फेकल्टी, एसबीआई आर सेठी, श्री मनीष सिंह राजपूत, सीड संस्थान भोपाल, श्री हृदेश कुमार राय जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव (छतरपुर) उपस्थित रहें। कार्यक्रम में श्री विकास कुमार, श्री बृजेश अहिरवार, श्री मुकेश कुमार, श्री मन्नूलाल रैकवार एवं कु. मेघा राय विषय विशेषज्ञ द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम मे प्रतिभागियों को प्रशिक्षण मे

सीएचसीडीएस योजना का परिचय, उद्यमिता विकास का अर्थ, सफल उद्यमी के गुण, समिति का गठन एवं लाभ, समिति का संचालन, समिति मे पाठ्यू, लेखन एवं वित्तीय लेखांकन की जानकारी, बैंकिंग एवं बैंकिंग से जुडे कार्य का सम्पादन, जी. आई. टेग का निर्माण एवं रजिस्टर करना, उद्यम स्थापित करने हेतु प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधायें, विपणन, प्रबंधन, पैकेजिंग एवं प्रचार, संचार - कौशल, डिजाइन, गुणवत्ता अनुपालन, ग्राहक व्यवहार, मुद्रा लॉन, सहकारी समिति के गठन, सहकारिता के उद्देश्य, सिद्धांत पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में श्री अजय कुमार एल. डी.सी. वस्त्र मंत्रालय ग्वालियर, श्री अवतार सिंह क्लस्टर समन्वयक भोपाल, श्री बीरेंद्र परिहार, शिक्षक छतरपुर, श्री बाबूलाल कुशवाहा जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक नौगांव, श्री मातादीन आर्य क्लस्टर समन्वयक नौगांव, श्रीमती शीला देवी रैकवार कलस्टर समन्वयक नौगांव, श्री खूबचंद नाई प्रभारी लिपिक सहकारी प्रशिक्षण केंन्द्र नौगांव एवं समस्त महिला शिल्पकार अपनी उपस्थिति के साथ मौजूद रही।

(पृष्ठ 1 का शेष)

गांधी शिल्प बाजार "सहकारी हुनर हाट" सफलता पूर्वक सम्पन्न

(जबलपुर), निलेश कुशवाहा, जूट-क्राफ्ट (भोपाल), रूबी खातून, जरी जरदौजी, (भोपाल), कनीजा खांन, एम्ब्राडरी, (ग्वालियर), प्रिती लाल, प्रिंटिंग, (भोपाल), मोनू एम्ब्रायडरी, (ग्वालियर) मुस्ताक अली, कार्पेट, (भोपाल) प्रदीप, जरी एण्ड जरीदोजी, (भोपाल), महेश विश्वकर्मा, वुड वर्क, (भोपाल), सुधाकर, ग्रास लीफ, (भोपाल) स्वाती सक्सेना, टेक्स टाइल, (भोपाल), शीला देवी, सॉल एण्ड आर्ट वेयर, (देहरादून), ममता अहिरवार, पेपर मशीन, (भोपाल), भारत लाल मोर्य, लेदर फुटवेयर, (जयपुर), जीवन कुमार, (हैदराबाद), दीपक कुमार, एम्ब्रायडरी, (गुजरात), उर्मिला देवी, मिथला प्रिंटिंग, बिहार, शिव मंगल, ग्लास वर्क, उत्तरप्रदेश, मुकेश राज, टेक्ट टाइल, बिहार, कमलेश मालविया, (भोपाल), म.प्र. हेण्ड प्रिंटिंग, मुन्नालाल फिरोजाबाद, उत्तरप्रेदश

गिलास वर्क, जुगल किशोर, कढ़ाई, हनुमानगढ़, राजस्थान, होतिलाल, ज़री, जयपुर, सुनील कुमार गुप्ता, ज्वेलरी, भोपाल, काजल, टेक्सटाईल, ग्वालियर, मीरा गुजराती, टाई डाईय, ग्वालियर, ओमवीर सिंह, ज्वेलरी, ईटा, अजय कुमार, ज्वेलरी, ईटा, प्रभा दयाल देवात, लेदर, जयपुर, सुधा कारोलिया, ज्वेलरी, ग्वालियर, सुनील कुमार, ज़री - जरदोजी, दिल्ली, कैलाश रविदाश, लेदर, नालंदा, मीरा देवी, लेदर, जयपुर, दशरत कुमार पाटिया, गलीचा और दरी, ग्वालियर, धर्मेन्द राहोर, बेम्बू वर्क, भोपाल, शफीख खान, जूट वर्क, भोपाल, लाईसम्मा रतनेश, हेंड प्रिंट, भोपाल, मो. मुन्तीज़िर आलम, ज्वेलरी, दिल्ली, रहमत जहान, हेंड प्रिंट, बिहार, अफरोज जहान ज़री जरदोजी, भोपाल, प्रिती दुबे, पेंटिंग, भोपाल, नज़ीर मुजाफर, ज़री जरदोजी, भोपाल, रामसारे यादव, जूट वर्क, भोपाल, नर्मदा प्रसाद नामदेव, हेंड प्रिंट, भोपाल, कविता वर्मा, पेपर मशीन, गंगानगर, आतुर रहमन जब्बार हुसैन, एम्बॉडरी, मुम्बई, मंद्रिता घोशल, ज्वेलरी, कोलकाता, निर्मला शर्मा, झांसी, खिलौने, म.प्र. खादी एवं ग्रामद्योग बोर्ड भोपाल, म.प्र. भारत खादी सदन, ग्वालियर खादी ग्रामद्योग परिष्ठान भोपाल, मध्य भारत खादी संघ ग्वालियर अर्श हेंडलूम आशोक नगर समीर बानों आशोक नगर, रहीश अहमद अंसारी, राजगृह राजिक, आशोक नगर लाडली बहना आशोक नगर, स्मार्ट हेंडलूम इत्यादि हस्तशिल्पियों कारीगरों ने अपनी कलात्मक कलाओं के साथ भाग लिया।

मेले में आर्कषण केन्द्र रहें

भागलपुरी सिल्क, सूट, साड़ी, कश्मीरी सिल्क, आसाम सिल्क, बनारसी सिल्क, लखनवी चिकन वर्क सूट, कोसा सिल्क, फुलकारी वर्क, बैम्बू फर्नीचर, पूना मेड

कुशन, आगरा का मार्बल काफ्ट, सहारनपुर फर्नीचर, भदोही का कारपेट, कश्मीर की पश्मीना शाल, बटिक प्रिन्ट, दिल्ली की ज्वेलरी, पश्चिम बंगाल की जामदानी सिल्क साड़ियाँ एवं काथा वर्क, नागालैण्ड के ड्राईफ्लावर, पंजाब की फलकारी, बुदनी की लकड़ी के खिलौने आदि। गांधी शिल्प बाजार "सहकारी हुनर हाट" का मुख्य उद्देश्य विभिन्न शिल्प से जुड़े देश भर के कारीगरों के उत्पादों को एक स्थान पर प्रदर्शन और विक्रय के माध्यम से उनके उत्पादों का समुचित मूल्य दिलाकर उनका आर्थिक संवर्धन करना। इस प्रकार के आयोजन से आम नागरिक देश के विभिन्न शिल्पों की न केवल जानकारी प्राप्त कर सकेंगे बल्कि उन्हें अपनी पसन्द अनुसार उचित मूल्य पर खरीद भी सकेंगे।

55 हजार की मधुबनी पेंटिंग में दिखाया सीता स्वयंवर

बिहार की मधुवनी चित्रकारी को भारत ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी काफी पसंद किया जाता है। इन दिनों मधुबनी की कई तरह की कृतियां म.प्र. राज्य सहकारी संघ (पुराने माखनलाल विश्वविद्यालय कैंपस) में लगे गांधी शिल्प बाजार में देखने को मिली।

उर्मिला देवी ने दिया लाइव डेमोंस्ट्रेशन

गॉधी शिल्प बाजार शिरकत कर रहीं उर्मिला देवी पिछले 60 वर्षों से मधुबनी पेंटिंग बनाती आ रहीं हैं। इन्हें इस कलां के लिए स्टेट गवर्नमेंट और सेंट्रल गवर्नमेंट से नेशनल मेरिट अवार्ड और गोल्ड अवार्ड सहित 03 अवार्ड प्राप्त कर चुकी है। श्रीमति उर्मिला ने बताया कि पेंटिंग करना मैने अपनी चाची सास से सीखा था। एक चित्र को बनाने मे औसतन 10-15 दिवस लगते है चित्रकारी में रंग भरने के लिए मुल्तानी मिट्टी और पिपल छाल जैसे प्राकृतिक चीजों का प्रयोग करती हूँ। उन्होंने 55 हजार की पेंटिंग में सीता स्वयंवर को दिखाया है इस पेंटिंग में पीपल के पेड़ की छाल, गुलाब के फूल को उबालकर निकाले गए कलर में गोद मिलाकर तैयार किया है। अब वह कई बडे शहरों में अपनी पेंटिंग की एग्जिबिशन लगा चुकी हैं मेले में उन्होंने मधुबनी पेंटिंग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिया जो मेले का आर्कषण का केन्द्र बना हुआ है।

दिवाली के लिए बनारस का सिल्क बैग खास

बनारस से आए मोहम्मद अनस बताते हैं कि इस बार दिवाली में गिफ्ट के तौर पर देने के लिए बनारस सिल्क बेग खास है। लोग इसे ऑर्डर देकर बनवा रहे है। इसमें रेशम और जरी का वर्क होता हैं। जिसमें कैरी डिजाइन, पिकॉक डिजाइन, एलीफेंट डिजाइन हैं। इस बैंग की कीमत 250 से 300 रूपये के बीच है। एक बैग बनाने में एक हफ्ते का समय लगता है

मेले मे किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन

मेले मे लोगों के मनोरंजन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें हर शाम को म.प्र. के लोक नृत्य, गरबा, करमा, गोंडी, रागिनी, सरहूल, पोल दहका, भादम, सैतम एवं लोक गीतों में बुंदेलखेडी, गोंडी गीत, इत्यादि, सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

अपेक्स यूनियन के द्वारा मतदाता जागरूकता का दिया जा रहा है संदेश

भोपाल। भोपाल के नागरिकों को अधिक से अधिक मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल द्वारा शहर के प्रमुख स्थान जैसे गाँधी शिल्प बाजार "सहकारी हनुर हॉट", बिट्ठन मार्केट, भारत माता चौराह, देवी अहिल्लया बाई चौराह, 1100 क्वाटर, हनुमान मंदिर, मनीषा मार्केट, त्रिलंगा चौराह, ओरा मॉल इत्यादि पर मतदान की अपील करने संबंधित बेनर/ पोस्टर लगाए गए है।

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक भी दिखाकर

राजगढ़ : यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है तो भी वह मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसी प्रकार यदि किसी कारण से किसी नागरिक को मतदाता सूचना पर्ची प्राप्त नहीं होती है, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो भी वह मतदान कर सकेगा।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। इन 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/पीएसयू/सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

अप्रवासी भारतीय मतदाताओं (एनआरआई) को केवल पहचान के लिए अपना मूल पासपोर्ट दिखाना होगा। यदि ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो पाने के कारण मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT
(An Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Govt. of India)

Nodal Training Institute (NTI)
मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल
(M.P. State Cooperative Union Ltd. Bhopal)
E-8/77 Trilanga Road, Shahpura Bhopal -462039

Diploma in Agricultural Extension Services for Input Dealers (DAESI)
डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (देसी)
"इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" (देसी)

शीघ्र आयें प्रवेश पायें

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रैक्टिसिंग एग्रीकल्वरल इनपुट्स डीलर्स को पैरा–एक्सटेंशन प्रोफेशनल्स में बदलना है। जिससे एग्रीकल्वरल एक्सटेंशन सिस्टम को मजबूत किया जा सके। इससे इनपुट डीलर्स को किसानों की बेहतर सेवा करने में मदद मिलेगी जिससे :–

- इनपुट के कुशल संचालन में इनपुट डीलरों की क्षमता का निर्माण।
- कृषि आदानों के विनियमन को नियंत्रित करने वाले कानूनों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- किसानों के लिए इनपुट डीलरों को ग्रामीण स्तर पर कृषि संबंधी जानकारी का एक प्रभावी स्त्रोत (वन स्टॉप शॉप) बनाना।

एग्रीकल्वर में डिप्लोमा कोर्स क्यों करें?

- एग्रीकल्वरल डिप्लोमा एग्रीकल्वर या जैविक प्रक्रिया से संबंधित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी स्तर पर मानव संसाधन का विकास कर एग्रीकल्वर उद्योग की प्रगति करना है।
- इस कोर्स में किसी भी एग्रीकल्वर उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के कौशल को बढ़ाया जाता है।
- एग्रीकल्वर में डिप्लोमा कोर्स के साथ छात्र 10वीं के बाद से ही अपने प्रारंभिक करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
- इस कोर्स के जरिए एग्रीकल्वर उद्योग में आवश्यक कौशल सीखने से अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने में मदद मिलेगी क्योंकि गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग अधिक है।
- कृषि डिप्लोमा कोर्स छात्रों के सामने करियर के विभिन्न अवसर खोलता है। बड़ी–बड़ी नामी कम्पनियां जैसे–ITC, Britannia, Godrej आदि डिप्लोमा छात्रों को इंटर्नशिप भी ऑफर करती हैं।
- ग्रामीण रोजगारोन्मुखी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण स्तर पर बीज, खाद, कीटनाशक या दवाई की दुकान के लाइसेंस की आवश्यकता होती है। वर्तमान में लाइसेंस लेने के लिए युवक–युवतियों को परेशानी न हो इसके लिए राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल, आत्मा एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल के सहयोग से देसी कोर्स की शुरूआत की गयी है।

इन विषयों पर मिलेगा प्रशिक्षण :–

सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः–

क्र	विषय
1.	मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन।
2	वर्षा आधारित खेती।
3.	बीज एवं बीज उत्पादन।
4	सिंचाई तकनीक एवं उनका प्रबंधन।
5	खरपतवार प्रबंधन।
6	कृषि उपकरण और मशीनरी की जानकारी।
7	कृषि में कीट एवं रोग नियंत्रण।
8	प्रमुख स्थानीय फसलों की फसल उत्पादन तकनीक।
9	कृषि आदानों से संबंधित अधिनियम, नियम एवं विनियम।
10	कृषि क्षेत्र से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाएं एवं कृषि प्रसार तकनीक।
11	विस्तार दृष्टिकोण और तरीके।
12	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना।
13	फसल बीमा योजना।
14	बीज, कीट व मण्डी अधिनियम।
15	उर्वरक अधिनियम।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः– व्यावहारिक प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत कृषि से संबंधित संस्थान जैसे – कृषि विज्ञान केन्द्र, मृदा जांच प्रयोगशाला, कृषि महाविद्यालय/ कृषि विश्वविद्यालय, उद्यानकीय महाविद्यालय, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट कराया जावेगा।

अवधि – 01 वर्ष

यह कार्यक्रम 48 सप्ताह की अवधि का है जिसमें 40 कक्षा सत्र एवं 08 फील्ड विजिट है।

यह कोर्स सप्ताह में एक दिन (सरकारी अवकाश के दिन) आयोजित किया जाता है।

पाठ्यक्रम शुल्क–

देसी डी.डी. : "Diploma In Agriculture Extension Services For Input Dealers, Bhopal" के नाम की डी.डी. राशि रु. राशि रु. 20,000/–

शैक्षणिक योग्यता–10 वीं उत्तीर्ण से लेकर डिग्रीधारक तक।

कुल सीट – 40

आवश्यक दस्तावेज

- 10 वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- 12वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातक उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातकोत्तर उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- जाति प्रमाण पत्र
- मूल निवासी प्रमाण पत्र
- आधार कार्ड
- दो पासपोर्ट साईज फोटो
- वैध लाईसेंस की प्रति (यदि आप कृषि इनपुट डीलर के रूप में काम कर रहे हैं)

कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र–
07554034839, 9826821281, 9826876158, 8770995805
Website- www.mpscu.in, www.mpscuonline.in
Email : rajyasangh@yahoo.co.in

सहकारिता प्रसार अधिकारियों का 12 साप्ताहिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल। बिहार राज्य सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों हेतु श्री ऋतुराज रंजन प्रबंध संचालक एवं श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल के मार्गदर्शन में दिनांक 16.10.2023 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सत्र समन्वयक श्री ए.के. जोशी ने बताया की यह

प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 साप्ताहिक आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 16.10.2023 से 06.01. 2024 तक सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में 41 सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों हेतु किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रत्येक दिवस 05 सत्रों में प्रातः 10 बजे से लेकर सायं 06 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण आरंभ होने के पूर्व उनके कार्यकौशल एवं प्रभावशील अधिनियम, नियम तथा सहकारी समितियों के कार्य संपादन का कौशल परीक्षा ली गई जिससे प्रशिक्षण के पश्चात् उनके कार्य कौशल एवं कार्य निष्पादन के ज्ञान की परीक्षा लेकर प्रशिक्षण की सार्थकता प्रमाणित होगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री श्रीकुमार जोशी (से.नि. सयुक्त आयुक्त सहकारिता विभाग) विषय विशेषज्ञों के द्वारा सहकारिता का वातावरण (सहकारिता की उत्पत्ति एवं अवधारणा), सहकारी अधिनियम का इतिहास, भारत में सहकारी अधिनियम की विशेषताएं, आवश्यकता एवं सहकारी आंदोलन, सहकारी सोसाइटी का पंजीयन एवं गठन, सहकारी समिति की आवश्यकता, महत्व, पंजीयन की शर्ते तथा आर्थिक सक्षमता, उपविधि, संशोधन व उसकी प्रक्रिया एवं आवश्यकता, सहकारिता समितियों का पुनर्गठन, सदस्यता, सदस्यता की पात्रता, अपात्रता, सदस्य का पृथक करना, सदस्य के अधिकार, वैधानिक प्रतिनिधि, सदस्यता का अंतरण, साधारण एवं विशेष आमसभा, उसके प्रावधान, अधिकार एवं कार्य, संचालक मंडल, गठन, बैठक, अधिकार, कर्तव्य एवं पात्रता, पृथकरण, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव, सहकारी निर्वाचन, निर्वाचन प्राधिकारी, निर्वाचन की प्रक्रिया, अभियर्थी की योग्यता, आरक्षण, नामांकन सहयोजन, निर्वाचन स्थगित करना, निर्वाचन रिकॉर्ड को संधारण, समिति का अधिक्रमण एवं प्रशासक की नियुक्ति एवं उसके अधिकार पत्र, श्री अविनाश सिंह (से. नि. वरिष्ठ सहकारी निरक्षक) विषय विशेषज्ञ के द्वारा असाख सहकारी संस्थाओं की आवश्यकता, पंजीयन की शर्त तथा कार्यक्षेत्र व सदस्यता, श्री पे.के. एस. परिहार (से.नि. प्रबंधक, अपैक्स बैंक) विषय-विशेषज्ञ द्वारा सहकारिता का वातावरण-सहकारिता की उत्पत्ति एवं अवधारणा, सहकारी आंदोलन का भारत एवं विदेशों में विकास, सहकारिता पंचवर्षीय योजनाओं में सहकारी आंदोलन की प्रगति, विभिन्न समितियों एवं आयोगों की प्रमुख अनुशंसाये, अखिल भारतीय ग्रामीण साख समिति 1954, सहकारी शिक्षण एवं प्रशिक्षण, सहकारी नेतृत्व एवं विकास, ग्रामीण विकास की अवधारणा एवं महत्व, पंचायतीराज व्यवस्था एवं संरचना, डॉ अतुल दुबे (प्रो. बी.एस.एस.आई.एस. कॉलेज, भोपाल) विशेषज्ञ द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और प्लानिंग क्या है ?, प्रोजेक्ट प्लान और इम्प्लीमेंटेशन में अंतर, परियोजना प्रबंधन के चरण, परियोजना प्रबंधन का मुख्य तथ्य, परियोजना प्रबंधन में संसाधन आवंटन क्या है ?, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में प्रोजेक्ट बजटिंग क्या है ?, वेरिएंस एनालिसिस क्या है ?, परियोजना प्रबंधन में लागत भिन्नता क्या है ?, परियोजना प्रबंधन में लागत नियंत्रण क्या है? एवं लागत नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है, परियोजना प्रबंधन मापन क्या है ?, प्रोजेक्ट मेनेजमेंट (अवधारणा एवं परिभाषा), परियोजना प्रबंधक की भूमिका एवं जिम्मेदारियां, परियोजना कार्यान्वयन, श्रीमति मीनाक्षी बान (कम्प्यूटर व्याख्याता) द्वारा कम्प्यूटर के फंडामेंटल, ऑपरेटिंग सिस्टम, एम.एस. ऑफिस (माइक्रोसॉफट-वर्ड, ऍक्सल, पावर पॉईंट, वननोट, आउटलुक, पब्लिशर, एक्सेस, लिंक) श्री राजेन्द्र सक्सेना विषय विशेषज्ञ द्वारा संगठात्मक व्यवहार का परिचय, अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, विशेषताएं, व्यक्तिगत व्यवहार, सामूहिक व्यवहार, संगठात्मक व्यवहार, इमोशनल इंटेलिजेंस (संवेगात्मक बुद्धि) क्या और कैसे होता है ?, भावनात्मक समझ क्या है ?, स्व - प्रबंधन, आत्म-प्रबंधन, सम्प्रेशण कला, व्यक्तित्व विकास, श्री अभय गोखले (से.नि. महाप्रबंधक, अपैक्स बैंक) विषय विशेषज्ञ द्वारा लेखांकन का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, प्रकृति, आवश्कयता एवं महत्व, लेखांकन के प्रकार, लेखांकन के बुनयादी सिद्धात, लेखांकन के मुख्य विशेषताएं, लेखांकन के तरीके, दोहरी लेखा प्रणाली, खाते के प्रकार - व्यक्तिगत खाता, वास्तविक खाता, नाममात्र खाता, सहकारी समिति हेतु कॉमन एकाउंटिंग सिस्टम, इत्यादि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री जी.पी. मांझी, प्राचार्य श्री विक्रम मुजुमदार, श्री विनोद कुमार कुशवाहा, श्री धनराज सैंदाणे, श्री संतोष येड़े का विशेष सहयोग रहा।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।